संलग्नक

महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश

विद्यालय का लक्ष्य कथन एक अनिवार्य आवश्यकता है

नोट: विद्यालयों को अपने विद्यालय की वेबसाइट के होम पेज पर जून, 2016 के प्रथम सप्ताह तक अपना लक्ष्य कथन अपलोड करना चाहिए।

लक्ष्य कथन विद्यालय का वह कथन है जिसका मूल उद्देश्य, इसे निर्धारित समयावधि के अन्दर प्राप्त करना है। यह कथन सार्थक एवं अविस्मरणीय और प्रेरणाप्रद होना चाहिए। इसे वास्तविक और निश्चित होना चाहिए। यद्यपि इसे कम समयावधि में पूरा किया जा सकता है या लम्बे समय की आवश्यकता होती है। इस कथन को समाज की उभरती आवश्यकताओं के अनुसार बदला जा सकता है। उससे अधिक, **लक्ष्य कथन** व्यावहारिक वचनबद्धताओं और कार्यों की घोषणा करता है जो कि विद्यालय के विश्वासानुसार इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक हैं।

विद्यालय के लिए लक्ष्य कथन होने के लिए तर्काधार

विद्यालय वह स्थान है जहाँ सभी संबधित सामूहिक रूप से कार्य कर समाज और राष्ट्र की संपूर्ण आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कार्य करते हैं। प्रत्येक विद्यालय अपने निर्धारित लक्ष्य और ध्येय पूर्ति हेतु अपने संदर्भों के अनुरूप कार्य करता है। विद्यालय के लिए एक लक्ष्य कथन, विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और समाज के सदस्यों से इस उद्देश्य के लिए आम सहमति बनाने और उनके प्रयास से परिणाम प्राप्त करने में सहायक होगा।

लक्ष्य कथन विकसित करने की प्रक्रिया:

क. विद्यालय द्वारा लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षकों के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होती है और उनकी सलाह से इसे विकसित किया जाना चाहिए।

ख. विद्यालय प्रमुख को हितधारकों की एक बैठक आयोजित करनी चाहिए और विद्यालय में उनकी भूमिका के बारे में सजगता जागृत करने के लिए कुछ पहलुओं को उठाना चाहिए, यथा

(i) वे कौन हैं

(ii) वे किसे मूल्यवान समझते हैं

(iii) विद्यालय के लिए भावी लक्ष्य

उनकी प्रतिक्रिया विद्यालय के लिए वास्तविक लक्ष्य कथन तैयार करने में सहायक होगी।

ग. शिक्षकों और विद्यार्थियों को विद्यालय के लिए लक्ष्य कथन सुझाने के लिए आमंत्रित किया जाए या वास्तविक और सृजनात्मक लक्ष्य कथन का चयन करने के लिए विद्यार्थियों की प्रतियोगिता भी आयोजित करवा सकते हैं।

घ. कथन निश्चित करते समय निम्न का ध्यान रखना चाहिए:

- यह सरल होना चाहिए
- इसमें उन मूल्यों को प्रदर्शित किया जाना चाहिए, जिन्हें विद्यालय के प्रति समाज अपनाता है।
- इसे विद्यार्थियों, शिक्षकों और समाज के द्वारा समझी जानी वाली भाषा में होना चाहिए।

- स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से इसे व्यक्त किया जाना चाहिए।

ङ. विद्यालय निर्दिष्ट सप्ताह के दौरान लक्ष्य कथन को निम्न लिंक पर अपलोड करेगा:

http://49.50.72.128/mission/home.php

नोट: लक्ष्य कथन की पहचान और निश्चितीकरण विद्यालयों द्वारा अपने संसाधनों से किया जाएगा। प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए सुझाए गई निम्न समय सीमा का पालन करना चाहिए:

क्रम सं	प्रक्रिया	समय सीमा
1	हितधारकों से अंत: क्रियात्मक सलाह, विद्यार्थियों में प्रतियोगिता, कार्मिकों में आपसी विचार विमर्श आदि से विद्यालय के लिए लक्ष्य कथन की पहचान और चयन।	अप्रैल 2016 का द्वितीय सप्ताह
2	अतिरिक्त सुझावों के लिए प्रारूप कथन की हितधारकों के साथ भागीदारी।	अप्रैल 2016 का तीसरा सप्ताह
3	दिए गए लिंक पर सुनिश्चित लक्ष्य कथन को अपलोड करना। http://49.50.72.128/mission/home.php	अप्रैल 2016 का चौथा सप्ताह
4	इसे विद्यालय की दीवार पर पेन्ट किया जाए/वेबसाइट पर अपलोड किया जाए, विद्यालय के निर्णय के अनुसार सभी हितधारकों को प्रक्रियानुसार सूचित किया जाए।	मई 2016 का द्वितीय सप्ताह
5	विविध कार्यक्रमों और कार्यकलापों, जैसे कि सुबह की सभा, वार्षिक कार्यक्रम, विद्यालयी प्रकाशन के द्वारा संदेश और लक्ष्य कथन का प्रसारण।	जून 2016 का प्रथम सप्ताह

आदर्श लक्ष्य कथन:

1. एक विद्यालय ने अपने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से चर्चा की और विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत को उच्च प्राथमिकता का विषय होने की पहचान की। अत: यह निम्न लक्ष्य कथन के साथ परिलक्षित हुआ:

अगले तीन वर्षों में विद्यालय अद्यतन पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध करा कर और पठन से संबंधित अन्य विविध गतिविधियां कर, सभी स्तरों पर विद्यार्थियों की पढ़ने की आदत में सुधार करेगा।

2. उसी विद्यालय के कुछ शिक्षकों ने महसूस किया कि कक्षा में अधिगम के विविध संसाधनों के उपलब्ध न होने के कारण वे विद्यार्थियों को अधिगम का व्यावहारिक (Hands on) अनुभव नहीं करवा पाते। अत: उन्होंने निम्न लक्ष्य कथन विकसित किया है:

चॉक और वाचन माध्यम का और अधिक उपयोग नहीं। अगले तीन वर्षों में व्यावहारिक अनुभव के लिए विद्यालय की प्रत्येक कक्षा में अपना पुस्तकालय और अधिगम संसाधन होंगे।

3. उसी विद्यालय के पड़ोसी समुदाय ने सोचा कि विद्यालय को प्रौढ़ों की साक्षरता के स्तर को बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करनी चाहिए। अत: विद्यालय के लिए निम्न लक्ष्य कथन तैयार किया गया:

सन् 2022 तक विद्यालय अपने संसाधनों से अपने नजदीकी निवासी जनों में 100 प्रतिशत साक्षरता की उपलब्धि प्राप्त करेगा।

4. जन समुदाय से बाद में चर्चा करके, शिक्षकों और जन सदस्यों में उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन कर और विद्यार्थियों के अधिगम के स्तर को प्राथमिकता देने के लिए विद्यालय के लिए निम्न लक्ष्य कथन निर्णीत किए गए:

अंतिम लक्ष्य कथन (आदर्श):

चॉक और वाचन माध्यम का अधिक प्रयोग नहीं। अगले तीन वर्षों में व्यावहारिक अनुभव के लिए प्रत्येक कक्षा का अपना पुस्तकालय और अधिगम संसाधन होंगे और सन् 2022 तक विद्यालय सभी कक्षाओं के सभी विषयों के विद्यार्थियों के अधिगम के स्तर में सुधार सुनिश्चित करेगा।

नीचे कुछ और अंतिम कथन दिए गए हैं जिन्हें विविध विद्यालयों में आपस में और समुदाय के सदस्यों के साथ गहन चर्चा के बाद निर्धारित किया गया है:

विद्यालय 1: लक्ष्य कथन

अधिगम स्तर में 3 वर्षों में कम से कम 60-80% और 2022 तक 100% सुधार की प्रगति के लिए विद्यालय, विद्यार्थियों की विद्यालय में उपस्थिति और भागीदारिता सुनिश्चित करने के लिए, विद्यार्थी सखात्मक और भय मुक्त वातावरण विकसित करेंगे।

विद्यालय 2: लक्ष्य कथन

गणित पठन सप्ताह, अंक गणित/गणित/विज्ञान सप्ताह मनाने के लिए पहल करके, पठन क्लब गठित करके, जोड़ी में पठन को बढ़ावा देने और साथ ही टीम शिक्षण में प्रगति करके, विद्यालय अगले 5 वर्षों में प्रत्येक वर्ष 20% (वर्तमान से) उपस्थिति और निष्पादन में सुधार करेंगे।

विद्यालय 3: लक्ष्य कथन

विद्यालय के संसाधनों का प्रयोग करते हुए शिक्षकों, विद्यार्थियों,विद्यालय के पूर्व छात्रों और विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्यों के साथ शिक्षित दल, नाट्य और समर्थक समूह सृजित करते हुए विद्यालय अपने नजदीकी जनसमुदाय को वर्ष 2022 तक 100% शिक्षित कर देगा।

विद्यालय 4: लक्ष्य कथन

सन् 2022 तक विद्यार्थियों के अन्दर पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा कर और जन समुदाय को संवेदनशील बनाकर, विद्यालय अपने स्थान जहाँ अवस्थित हैं, में 2000 पौधे लगा लेंगे।

विद्यालय 5: लक्ष्य कथन

अगले 5 वर्षों में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सुधार के लिए विद्यालय अपने शिक्षक और विद्यार्थियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

विद्यालय 6: लक्ष्य कथन

शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया, अन्य शैक्षिक गतिविधियों तथा सामुदायिक समर्थन से विद्यालय अगले पांच वर्षों में उच्च प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं में 80% अधिक प्रवेश और विद्यार्थियों के विद्यालय में बने रहने की प्रगति प्राप्त कर लेगा।

विद्यालय 7: लक्ष्य कथन

स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र और समुदाय की सहायता से विद्यालय अगले 3 वर्षों में विद्यालय में प्रवेश लिए प्रत्येक विद्यार्थी की स्वास्थ्य रूपरेखा तैयार कर लेगा।

विद्यालय 8: लक्ष्य कथन

अगले तीन वर्षों में विद्यालय कक्षा VIII से ऊपर की सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों को कौशल जिसकी स्थानीय समुदाय और कार्यों के विस्तृत क्षेत्र में बहुत उपयोगिता है, का प्रशिक्षण देने के लिए एक तंत्र विकसित करेगा।

विद्यालय प्रमुखों से यह नोट करने के लिए निवेदन किया जाता है कि दिए गए कथन केवल आदर्श हैं। आपके विद्यालय की अपनी परिस्थितियां और संसाधन है, अत: अपने लक्ष्य कथन को निर्धारित और प्रचारित करने से पूर्व अपने शिक्षकों विद्यार्थियों और विद्यालय प्रबन्धन समिति एवं सामुदायिक सदस्यों से राय लेने की आवश्यकता है।